PRINCE ACADEMY
OF HIGHER EDUCATION
[Co-edu. Sr. Sec. School, Affiliated to CBSE, Affiliation No. - 1730387]

Palwas Road, Near Jaipur - Bikaner Bypass Crossing, SIKAR - 332001 (Raj.) INDIA
Mob. : 9610-75-2222, 9610-76-2222
www.princeeduhub.com | E-mail : princeacademy31@gmail.com

BOARD SAMPLE PAPER - II (2025-26)

TIME : 3:00 Hours | **SUBJECT : HINDI** **CLASS - XII** | **M.M. : 80**

सामान्य निर्देशः

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिएः
- यह प्रश्न–पत्र तीन खण्ड़ों में विभाजित है।
- खंड–क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है
- खंड–ख में पाठयपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड–ग में पाठयपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंड़ों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खण्ड–अ (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

राष्ट्र केवल जमीन का टुकड़ा ही नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत होती हैं, जो हमे अपने पूर्वजों से परंपरा के रूप में प्राप्त होती हैं, जिसमें हम बडे होते हैं, शिक्षा पाते हैं और साँस लेते हैं–हमारा अपना राष्ट्र कहलाता है और उसकी पराधीनता व्यक्ति की परतंत्रता की पहली सीढ़ी होती है। ऐसे ही स्वतंत्र राष्ट्र की सीमाओं में जन्म लेने वाले व्यक्ति का धर्म, जाति, भाषा या संप्रदाय कुछ भी हो, आपस में स्नेह होना स्वाभाविक है। राष्ट्र के लिए जीना और काम करना, उसकी स्वतंत्रता तथा विकास के लिए काम करने की भावना, राष्ट्रीयता कहलाती है।

जब व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से धर्म, जाति, कुल आदि के आधार पर व्यवहार करता है, तो उसकी दृष्टि संकुचित हो जाती है। राष्ट्रीयता की अनिवार्य शर्त है–देश को प्राथमिकता, भले ही हमें 'स्व' को मिटाना पड़े।

महात्मा गाँधी, तिलक, सुभाषचन्द्र बोस आदि के कार्यो से पता चलता है राष्ट्रीयता की भावना के कारण उन्हें अनगिनत कष्ट उठाने पड़े, कितु वे अपने निश्चय में अटल रहे। व्यक्ति को निजी अस्तित्व कायम रखने के लिए पारस्परिक सभी सीमाओं की बाधाओं को भुलाकर कार्य करना चाहिए, तभी उसकी नीतियाँ–रीतियाँ राष्ट्रीय कही जा सकती है।

जब–जब भारत में फूट पडी, तब–तब विदेशियों ने शासन किया। चाहे जातिगत भेदभाव हो या भाषागत तीसरा व्यक्ति उससे लाभ उठाने का अवश्य यत्न करेगा। आज देश में अनेक प्रकार के आंदोलन चल रहे है।

कहीं भाषा को लेकर संघर्ष हो रहा हैं, तो कही धर्म या क्षेत्र के नाम पर लोगों को निकाला जा रहा है, जिसका परिणाम हमारे सामने है। आदमी अपने अहं में सिमटता जा रहा है। फलस्वरूप राष्ट्रीय बोध का प्रभाव परिलक्षित हो रहा है।

(i) राष्ट्रीयता क्या कहलाती हे? 1

(अ) धर्म के प्रति निष्ठा (ब) जाति के प्रति निष्ठा

(स) राष्ट्र के लिए जीना और काम करना (द) क्षेत्र के प्रति निष्ठा

(ii) राष्ट्रीयता की अनिवार्य शर्त क्या है? 1

(अ) धर्म को प्राथमिकता देना (ब) देश को प्राथमिकता देना

(स) जाति को प्राथमिकता देना (द) भाषा को प्राथमिकता देना

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए– 1

(i) राष्ट्रीयता का अर्थ देश की स्वतंत्रता और विकास के लिए कार्य करना है।

(ii) जाति, धर्म और भाषा के आधार पर व्यवहार करना राष्ट्रीयता को बढ़ावा देता है।

(iii) व्यक्तिगत संकीर्णता से राष्ट्रीय बोध पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हैं

(iv) भारत में फूट का लाभ विदेशी शासन ने उठाया हैं।

गंद्यांश के अनुसार कौन–सा/से कथन सही हैं?

(अ) केवल कथन (i), (ii) और (iv) सही हैं। (ब) केवल कथन (ii) और (iv) सही हैं।

(स) केवल कथन (i) और (ii) सही हैं। (द) केवल कथन (i) और (iv) सही हैं।

(iv) व्यक्ति की परतंत्रता की पहली सीढ़ी क्या होती है? 1

(v) राष्ट्रीयता की भावना कैसे विकसित की जा सकती है? 2

(vi) भारत में फूट पड़ने पर क्या होता हैं? 2

(vii) आज के समय में देश में कौन–कौन से संघर्ष चल रहे हैं? 2

2. निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 8

जिनकी भुजाओं की शिराएँ फड़की ही नहीं,
जिनके लहू में नहीं वेग है अनल का
शिव का पादोदक है पेय जिनका रहा,
चखा ही जिन्होंने नहीं स्वाद हलाहल का
जिनके ह्रदय में कभी आग सुलगी ही नहीं
ठेस लगते ही अहंकार नहीं छलका।
जिनकों सहारा नहीं भुज के प्रताप का है,
बैठते भरोसा किए वे ही आत्मबल का।
उसकी क्षमा, सहिष्णुता का है महत्व ही क्या
करना ही आता नहीं जिनको प्रहार है?
करूणा, क्षमा को छोड़ और क्या उपाय उसे
ले न सकता जो बैरियों से प्रतिकार है?
सहता प्रहार कोई विवश, कदर्य जीव
जिसकी नसों में नहीं पौरूष की धार है
करूणा, क्षमा हैं क्लीव जाति के कलंक घोर,
क्षमता क्षमा की शूरवीरों का सिंगार है।।

(i) निम्नलिखित काव्यांश के अुनसार, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही विकल्प का चयन करें: 1

कथन I : शूरवीरों की क्षमा और सहिष्णुता उनके साहस का प्रतीक है।

कथन II : जो प्रतिकार करने में असमर्थ हैं, उसकी क्षमा और करूणा का कोई महत्व नहीं।

कथन III : क्षमा और करूणा निर्बल और क्लीव जाति के लक्षण हैं।

कथन IV : पौरूष और प्रताप के बिना आत्मबल संभव नहीं है।

(अ) कथन I और II सही हैं। (ब) कथन II और III सही हैं।

(स) कथन I, II और IV सही हैं। (द) कथन I, II, III और IV सही है।

(ii) कविता के अनुसार, 'करूणा, क्षमा को छोड़ और क्या उपाय उसे' से कवि क्या कह रहे हैं? 1

(अ) करूणा और क्षमा की महत्वता (ब) प्रतिकार के बिना समाधान

(स) शौर्य और शक्ति के बिना जीवन (द) शांति और संतुलन की खोज

(iii) नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित करें और सही विकल्प का चयन करें: 1

कॉलम I	कॉलम I
I. साहस और पौरूष	1. शूरवीरों का सिंगार
II. क्षमा और करूणा	2. क्लीव जाति का कलंक।
III. आत्मबल	3. भुज के प्रताप पर आधारित

(अ) I-2, II-3, III-1 (ब) I-1, II-2, III-3 (स) I-1, II-3, III-2 (द) I-3, II-2, III-1

(iv) कविता में 'शिव का पादोदक' से क्या संकेत मिलता है? 1

(v) कविता के अनुसार, क्यों करूणा और क्षमा को 'कीव जाति के कलंक' के रूप में देखा गया हैं? 2

(vi) कविता के अनुसार, 'सहता प्रहार कोई विवश, कदर्य जीवन' का क्या तात्पर्य हैं? 2

खण्ड–ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए। 6

(क) नैतिक शिक्षा क्यों जरूरी विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

(ख) सीमा पर नियुक्त भारतीय सैनिक विषय पर निबंध लिखिए।

(ग) पहाड़ों में जीवन विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (किन्हीं चार) 2×4=8

(क) जनसंचार किसे कहते हैं?

(ख) चुनाव–प्रसार का एक–दिन विषय पर एक आलेख लिखिए।

(ग) नाटक लिखते समय 'समय के बंधन' को याद रखना क्यों जरूरी हैं?

(घ) रेडियों पर रेडियों नाटक की शुरूवात कैसे हुई?

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: 4×2=8

(क) विशेष लेखन करने वाले विषय विशेषज्ञों की विशेषताएँ लिखिए।

(ख) संपादक के नाम पत्र पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) फिचर को व्याख्यायित करते हुए फिचर लेखन के उद्देश्य बताइए।

खण्ड–ग (आरोह भाग–2 एवं वितान भाग–2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: 1×5=5

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृंदग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चलते आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से
और बच जाते हैं तब तो
और भी निडर होकर सुनहले सूजर के सामने आते हैं
पृथ्वी और भी तेज घूमती हुई आती है
उनके बेचैन पैरों के पास।

(i) पृथ्वी किनके बेचैन पैरों के पास घूमती हुई आती हैं?

(अ) तितलियों के (ब) खरगोश के (स) किनारों के (द) बच्चों के

(ii) पतंग उड़ाने वाले बच्चे दिशाओं को किसके समान बजाते हैं?

(अ) वीणा के समान (ब) ढोल के समान (स) मृदंग के समान (द) बाँसुरी के समान

(iii) काव्यांश में कपास किसका प्रतीक हैं?

(अ) शांति का (ब) प्रकाश का (स) क्षणभंगुरता का (द) कोमलता का

(iv) पतंग उड़ाते हुए बच्चे किसके सहारे स्वयं भी उड़ते से दिखाई देते हैं?

(अ) रंध्रों के (ब) कल्पना के (स) पंखों के (द) धागे के

(v) कवि को बच्चों का दौड़ना किसकी तरह प्रतीत होता हैं?

(अ) खरगोश की तरह (ब) झूले की पेंग की तरह

(स) मछली की तरह (द) सरकस के बंदर की तरह

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: 3×2=6

(क) पाँती बँधे से कवि उमाशंकर जोशी का क्या तात्पर्य हैं?

(ख) लक्ष्मण के वियोग का संभावित दुख राम किस प्रकार प्रकट करते हैं?

(ग) कवि कुंवर नारायण के अनुसार कोई बात पेचीदा कैसे हो जाती हैं?

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजियेः 2×2=4

(क) **पतंग** कविता के आधार पर पृथ्वी का प्रत्येक कोना बच्चों के पास स्वतः कैसे आ जाता हैं?

(ख) कैमरे में बंद अपाहिज कविता समाज की किस विडंबना को प्रस्तुत करती हैं?

(ग) **बादल राग** कविता में कवि ने अट्टालिक को **आतंक–भवन** क्यों कहा हैं?

9. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये – 5×1=5

एक–एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरिष एक अद्भुत अवधूत है। दुःख हो या सुख, वह हार नहीं मानता। न ऊधों का लेना, न माधों का देना। जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हजरत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं। मौज में आठों याम मस्त रहते हैं। एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि उस श्रेणी का पेड़ हैं जो वायुमण्डल से अपना रस खींचता है। जरूर खींचता होगा। नहीं तो भंयकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं। कबीर बहुत–कुछ इस शिरिष के समान ही थे, मस्त और बेपरवा, पर सरस और मादक कालिदास भी जरूर अनासक्त योगी रहे होंगे। (हजारी प्रसाद द्विवेदी)

(i) लेखक ने शिरिष को अवधूत क्यों कहा हैं?

(अ) अपनी जगह से न हटने के कारण

(ब) दुःख–सुख में हार नहीं मानता

(स) वह हर तरह की परेशानी से लड़ने में सक्षम होता हैं

(द) सभी विकल्प सही हैं

(ii) अनासक्त योगी किसे कहा गया है?

(अ) तुलसीदास को (ब) कबीर को (स) वात्स्यायन को (द) कालिदास को

(iii) लेखक ने कबीर की किस विशेषता पर प्रकाश डाला हैं?

(अ) मस्त (ब) सभी विकल्प सही है (स) मादक (द) सरस

(iv) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : कबीर को लेखक ने अवधूत कहा है।

कथन (R) : वह मस्त और बेपरवा थे।

(अ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ब) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(स) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही हैं।

(द) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर लिखिए। 3×2=6

(क) पहलवान की ढोलक पाठ में महामारी फैलने के बाद गाँव में सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य में क्या अंतर होता था?

(ख) दो कन्या–रत्न पैदा करने पर भक्तिन पुत्र–महिमा में अंधी अपनी जिठानियों द्वारा घृणा व उपेक्षा का शिकार बनी। ऐसी घटनाओं से ही अकसर यह धारणा चलती है कि स्त्री ही स्त्री की दुश्मन होती है। क्या इससे आप सहमत हैं?

(ग) लेखक बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के आधार पर भारत की जाति–प्रथा क्या–क्या काम करती है?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। 2×2=4

(क) बाजार का जादू क्या है? इसके चढ़ते–उतरने का क्या प्रभाव पड़ता है? समझाकर लिखिए।

(ख) नदियों का भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्व हैं?

(ग) दासता केवल कानूनी पराधीनता ही नहीं है डॉ. आंबेडकर के इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये 5×2=10

(क) यशोधर बाबू ने किशन दा से किन जीवन मूल्यों को पाया था? उनका उल्लेख करते हुए बताइए कि आपके लिए भी वे उपयोगी हो सकते हैं तो कैसे?

(ख) किस घटना से पता चलता है कि लेखक की माँ उसके मन की पीड़ा समझ रही थी? जूझ कहानी के आधार पर बताइए।

(ग) कैसे कहा जा सकता है सिंधु सभ्यता आडंबर विहीन सभ्यता थी? उदाहरण सहित अतीत में दबे पाँव के आधार पर स्पष्ट कीजिए।